अँग्रेज़ी सीखना आसान बनाएँ

पौलमी सामन्त

आजकल हर किसी पर अँग्रेज़ी बोलना सीखने का दबाव है। ऐसी धारणा बनी हुई है कि यदि कोई व्यक्ति अँग्रेज़ी भाषा नहीं सीखता तो वह सफल नहीं हो सकता। भाषा कोई भी हो, उसे सीखने के लिए अभ्यास के अवसर चाहिए होते हैं। ऐसे कई कारण हैं जिनसे बच्चों को अँग्रेज़ी सीखने में मुश्किल होती है, ख़ासकर अगर वे अपने घर की भाषा बोलने के अधिक अभ्यस्त हों। यहाँ कुछ कारण दिए गए हैं :

- झिझक
- अधिगम की उचित गतिविधियों का अभाव
- अँग्रेज़ी में बातचीत के लिए उपयुक्त वातावरण का न होना
- मातृभाषा का अधिक उपयोग
- माता-पिता के सहयोग की कमी
- सीखने का सही माहौल या सीखने के लिए एक सुरक्षित स्थान बनाने में शिक्षकों की अक्षमता

अँग्रेज़ी-अधिगम के संवर्धन के तरीके

सीधा तरीक़ा

इस तरीक़े में शिक्षक, विद्यार्थियों के साथ केवल अँग्रेज़ी में बातचीत करते हैं और नए वाक्य बनाने में कक्षा की मदद करते हैं। बाद में, बातचीत के दौरान शिक्षक अँग्रेज़ी भाषा बोलने में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हैं। इसमें दृश्य-श्रव्य सामग्री की मदद से वाक्य को प्रस्तुत करने की तकनीक का उपयोग करना चाहिए। यदि सीखने के शुरुआती चरण में सहायक सामग्री के रूप में चित्र, मॉडल, फ्लैशकार्ड और वास्तविक चीज़ों को शिक्षार्थी के सामने आकर्षक और दिलचस्प रूप से पेश किया जाए तो इनका बहुत अच्छा प्रभाव पड़ता है। अँग्रेज़ी के लगातार उपयोग से विद्यार्थियों को अँग्रेज़ी बोलने और पढ़ने में मदद मिलती है।

व्याकरण एवं अनुवाद विधि

इस विधि में शिक्षक शब्दावली के परिचय के साथ पाठ शुरू करते हैं। शब्दों का अर्थ मातृभाषा/स्थानीय भाषा में समझाया जाता है। फिर शिक्षक अनुच्छेद का अनुवाद करते हैं और मातृभाषा/स्थानीय भाषा की मदद से व्याकरणिक अंशों की व्याख्या करते हैं। शिक्षार्थियों को मातृभाषा/स्थानीय भाषा में व्याकरण के नियमों की नकल करने के लिए कहा जाता है। अन्त में, अधूरे रह गए अभ्यास और नियमों को सीखना, इन्हें गृहकार्य के रूप में दिया जाता है।

किसी शब्द के विभिन्न रूपों या उनके उपयोग के बारे में सीखना

कक्षा या घर में अन्य सम्बन्धित शब्दों को सीखना और ग्रहण करना, उदाहरण के लिए *tidy* और *untidy, tidying up* आदि।

शिक्षक क्या कर सकते हैं

हो सकता है कि कई मामलों में कक्षा ही एकमात्र ऐसी जगह हो जहाँ बच्चे को एक नई भाषा, विशेष रूप से अँग्रेज़ी सीखने और अभ्यास करने का अवसर मिलता हो। शिक्षक को उन तरीक़ों के प्रति सचेत रहना होगा जिनसे बच्चों को सीखने में मदद मिल सके। इसके लिए यह सुनिश्चित करना ज़रूरी है कि कक्षा को पर्याप्त पठन सामग्री और बोलने के अवसर दिए जाएँ। कहानियों को पढ़ने या कक्षा में किसी विषय पर बोलने के माध्यम से नए शब्दों को सीखना एक बहुत प्रभावी रणनीति है।

शब्दावली का संवर्धन

एक अच्छे वक्ता की शब्दावली समृद्ध होती है और वह बोलते समय उनका उपयोग करता है। इसलिए अगर शिक्षक हर दिन कक्षा का परिचय कम-से-कम दस शब्दों से करवाएँ और अगले दिन कक्षा में उनका उपयोग करने के अवसर दें तो इससे बच्चों को काफ़ी मदद मिलेगी।

बच्चों की झिझक दूर करने में मदद करना-

यदि आप बोलते समय गलतियाँ करें तो लोग आपको किस दृष्टि से देखेंगे, इस बारे में सभी के मन में हिचकिचाहट रहती है और डर रहता है, विशेष रूप से उनके मन में जिनकी अपनी भाषा अँग्रेज़ी नहीं है। यह डर तब तक बना रहेगा जब तक कि शिक्षक इसे दूर न कर दें। क्योंकि वे ही एक ऐसे सुरक्षित वातावरण का निर्माण कर सकते हैं जहाँ सभी बच्चों को अपनी सोच और विचारों को व्यक्त करने का समान अवसर दिया जाता है।

कहानी सुनाना

बच्चों का ध्यान *सही* ढंग से बोलने की बजाय *धाराप्रवाह* रूप से बोलने पर केन्द्रित करें। इसके लिए उन्हें कहानियाँ सुनाने के लिए प्रोत्साहित करें।

अँग्रेज़ी फिल्में देखना

यदि सम्भव हो तो विद्यार्थियों को अँग्रेज़ी के टेलीविज़न कार्यक्रम या फिल्में देखने के लिए प्रोत्साहित करें। यह नए शब्दों और वाक्यांशों को सीखने का एक अच्छा तरीक़ा है। अगर स्कूल के घण्टों के दौरान इन्हें एक साथ देखा जा सके तो उसके बाद उस कार्यक्रम पर चर्चा की जा सकती है।

नोटबुक रखना और शब्दकोश का उपयोग करना

बच्चों को नए शब्द लिखने के लिए एक नोटबुक रखने के लिए प्रोत्साहित करें और शब्दकोश में उनके अर्थ ढूँढ़ने में उनकी मदद करें। कक्षा के लिए यह एक दिलचस्प गतिविधि हो सकती है।

स्थानीय भाषा के साथ-साथ अँग्रेज़ी का उपयोग करना

यदि शिक्षक स्थानीय भाषा के साथ-साथ अँग्रेज़ी का भी प्रयोग करें तो अँग्रेज़ी सीखने में आसानी होगी और अच्छी तरह से समझ में भी आएगी। उदाहरण के लिए बच्चों को इस बात के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए कि वे कहानियों की व्याख्या स्थानीय भाषा में करें।

छोटे-छोटे वाक्यों में चित्रों का वर्णन करना

विद्यार्थी चित्रों का वर्णन करके अपनी क्षमता और समझ विकसित कर सकते हैं। उन्हें एक तस्वीर दिखाकर सरल वाक्यों में उसका वर्णन करने के लिए कहें। यह गतिविधि कक्षा में मौजूद विभिन्न स्तर के विद्यार्थियों के लिए सहायक है।

शब्दों से वाक्य बनाना

थोड़ी-सी मदद और प्रोत्साहन के साथ हर बच्चा यह सीख सकता है कि अँग्रेज़ी के साथ-साथ स्थानीय भाषा में भी वाक्य कैसे बनाएँ।

चित्र-कथाएँ बनाना

विद्यार्थियों से कहें कि वे चित्रों को एक क्रम में व्यवस्थित करके कहानी सुनाएँ। उन्हें कहानी सुनाने के लिए और साथ ही स्थानीय भाषा व अँग्रेज़ी भाषा दोनों में चित्रों का वर्णन करने के लिए प्रोत्साहित करें। यह गतिविधि उनकी अँग्रेज़ी में सुधार करने के साथ-साथ उनकी सोच और कल्पना को भी विकसित करती है।

अख़बार पढ़ना

यह गतिविधि बड़े बच्चों के लिए उपयोगी है। शिक्षक, पठन के अभ्यास के लिए अख़बार पढ़ने के लिए दे सकते हैं और

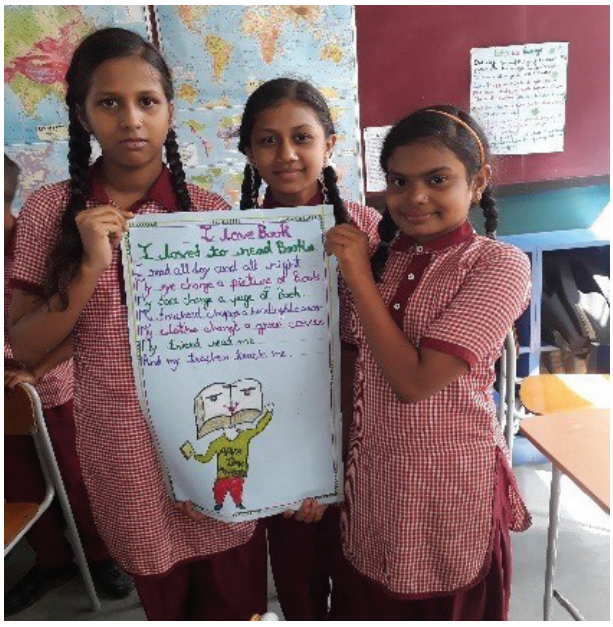

बच्चों को कठिन शब्दों के अर्थ जानने के लिए शब्दकोश का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। किसी समाचार के बारे में चर्चा करने से बोलने का अभ्यास होगा।

कहानी का विस्तार करना

कहानी समाप्त होने के बाद बच्चे से कहिए कि वह अपनी कल्पना से एक नई कहानी बनाने की कोशिश करे। कक्षा का प्रत्येक बच्चा इस गतिविधि में भाग ले सकता है।

पुस्तकालय का सक्रिय रूप से उपयोग करना

अगर पुस्तकालय या कक्षा-पुस्तकालय का अच्छी तरह से उपयोग किया जाए तो यह एक बढ़िया संसाधन हो सकता है। पढ़ने से शब्दावली का संवर्धन होता है और लेखन-कौशल में मदद मिलती है।

निष्कर्ष

ऐसा कोई एक तरीक़ा नहीं है जो सभी बच्चों के लिए उपयुक्त हो, इसलिए शिक्षक को कक्षा की ज़रूरतों के अनुसार अँग्रेज़ी सिखाने की सर्वोत्तम विधि का चयन करना चाहिए। शिक्षण का जो तरीक़ा, टैक्नॉलाजी की उपलब्धता के कारण, शहरी परिवेश में सफल रहे, हो सकता है वह ग्रामीण क्षेत्र में काम न आए। मैंने अँग्रेज़ी सीखने के लिए जिन गतिविधियों और प्रक्रियाओं का वर्णन किया है, वे ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यार्थियों की मदद कर सकती हैं।

पौलमी सामन्त ने स्नातकोत्तर उपाधि के साथ-साथ रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर से बीएड भी किया है। वे अज़ीम प्रेमजी स्कूल, शंकरदाह, धमतरी (छत्तीसगढ़) में शिक्षिका हैं। वे मानती हैं कि हर बच्चे में सीखने की सामर्थ्य और क्षमता होती है और शिक्षकों का उचित मार्गदर्शन प्राप्त होने पर वे बेहतर सीख सकते हैं। उन्हें खाना बनाना, गाना, यात्रा करना और कहानियाँ लिखना बहुत पसन्द है। उनसे poulami.samanta@azimpremjifoundation.org पर सम्पर्क किया जा सकता है। **अनुवाद :** नलिनी रावल